



# मीना समाचार

## MEENA News

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन

A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड XXXIV

संख्या 2

मुंबई

अप्रैल-जून 2017

### अनुसंधान क्षेत्र से:

#### ए) अंडमान समुद्र से ग्रेविड स्कैलपड हेमरहेड शार्क (*स्याइरेना लेविनी*) का रिकार्ड

अप्रैल 2017 में एम एफ वी ब्लू मार्लिन की समुद्री यात्रा में अंडमान समुद्र के पूर्वी भाग से अक्षांश 11° 22' उ/देशांतर 93°14' पू में 244 से.मी. (कुल लंबाई) की *स्याइरेना लेविनी* का एक प्रसवकालीन नमूना पकडा गया। नमूना के जैविक अध्ययन से पता चला कि एक भ्रूण को छोडकर सभी भ्रूण (22 नग) पूरी तरह विकसित हुए हैं और एक भ्रूण उत्पन्न होने वाला था जो कि मृत स्थिति में पाया गया और विकृत होने लगा। पहले के अध्ययनों में नवजात पिल्ला का आकार 31-57 से. मी. बताया है, जबकि वर्तमान नमूने में पिल्ले की औसत लंबाई 40.2 से. मी. है जो कि प्रसव के लिए तैयार सूचित करता है।

स्कैलपड हेमरहेड शार्क, *स्याइरेना लेविनी* (ग्रिफित & स्मिथ, 1834) समशीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय समुद्र में विश्व स्तर पर वितरित एक तटीय



विच्छेदित ग्रेविड शार्क

और अर्ध महासागर प्रजाति है। इस प्रजाति के अधिकतम आकार नर के लिए 219-340 से.मी. (कुल लंबाई) और माता के लिए 296-346 से. मी. दर्ज किया गया है। *स्याइरेना लेविनी* में प्रजनन का तरीका एक पीतक झिल्ली के साथ शिशु को जन्म देने वाली है। मादा में केवल एक क्रियाशील अंडाशय था, दाहिने अंडाशय एपिगोनल अंग के अग्रवर्ती सिरा से जुडा है। बाएं अंडाशय अल्प विकसित, छोटा और बिना ओवा था। अंडाशयी अंडे, सामान्य ओस्टियम के माध्यम से अंडवाहिनी में पहुँचते हैं जहाँ पर वे निषेचित होते हैं और भ्रूणीय झिल्ली से अंडवाहिनी ग्रंथि में पहुँच जाते हैं। आगे, गर्भाशय में उतरता है जहाँ पर भ्रूणीय विकास होता है। गर्भाशय में प्रत्येक के विकास के लिए भ्रूण को अलग करने हेतु अंडवाहिनी ग्रंथियां एक पतली झिल्ली का उत्पादन करती है।



पीतक झिल्ली और अपरा दर्शाते हुए गर्भाशय

नाभि- नाडी

अंडमान समुद्र से इस संकटापन प्रजाति के प्रजनन जीव विज्ञान और आवास पर कम जानकारी है।

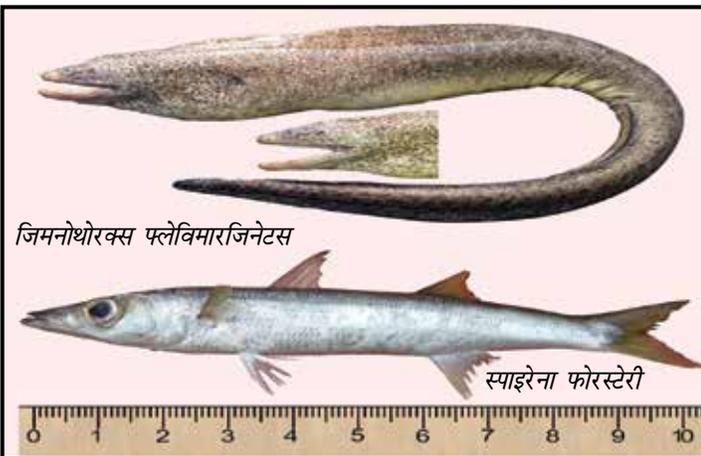
(श्री नषद एम, व. वैज्ञानिक सहायक, पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा सूचित)

## बी. तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण में बंपर पकड

पोत एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी ने मई 2017 माह के क्रूस में 45.6 मी. एक्सपो मॉडल बोट्टम ट्रॉल परिनियोजित कर तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों का सर्वेक्षण संचालित किया। सर्वेक्षण के दौरान, 11.6 टन मछलियों की बंपर पकड दर्ज की गई, जिसमें गोटा फिश (23.8%), रिबन फिश (18.3%), इंडियन स्कड (11.4%), भारतीय मैकरेल (9.3%), पेचर्स (5.3%) और स्क्वड (4.7%) कुल मिलाकर 180 कि. ग्रा प्रति घंटा सी पी यू ई के साथ प्रमुख रही। सर्वेक्षण परिचालन से, यह पता चला कि 51-100 मी. गहराई क्षेत्र सी पी यू ई (193.5 कि. ग्रा प्रति घंटा) के साथ अधिक उत्पादक पाया गया उसके बाद 31-50 मी गहराई क्षेत्र से (166.8 कि. ग्रा. प्रति घंटा)।



अक्षांश 17° 21.4' उ/देशांतर 82° 58.2' पू (पुदीमडका से दूर) के 45-46 मी. गहराई में एकल हॉल में लगभग 1.7 टन मछली पकड दर्ज की गई जिसमें इंडियन स्कड 59% (डीकेप्टरस रसेल्ली, डी मेक्रोसोमा, डी टेब) उसके बाद रास्ट्रेलिजर कानागुरटा (35%) शामिल थी। दर्ज अन्य मात्स्यिकी संसाधनों में उपिनियस विट्टाटस, स्पाइरेना फोरस्टेरी, जिमनोथोरक्स फ्लेविमारजिनेटस, नेमिप्टेरस जेपोनिकस, सौरिडा टुंबिल, सौरिडा उण्डोस्कामिस, सेपिया एक्वूलेटा और एम्बसिस जिमनोसेफेलस शामिल थे।



सर्वेक्षण के दौरान एकल हॉल में अक्षांश 18°13.9' उ/देशांतर 84°15.1' पू (1063 कि. ग्रा), अक्षांश 18° 22.1' उ/देशांतर 84° 23.3' पू (852 कि. ग्रा), अक्षांश 17° 39.8' उ/देशांतर 83° 27.2' पू (722 कि. ग्रा) और अक्षांश 18° 21.6' उ/देशांतर 84° 18.0' पू (620 कि. ग्रा) क्षेत्र से भी समान पकड प्राप्त हुई।

यात्रा के दौरान जेलिफिश (नेटरोस्सोमा कॉरलेसेन्स) को नेट में फसा पाया गया था।



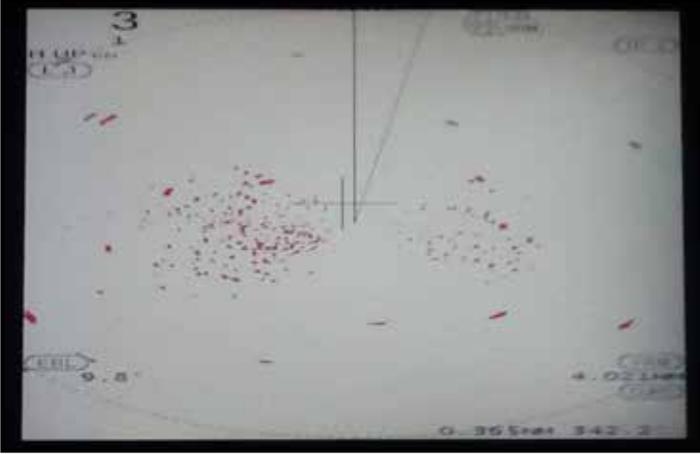
रिकार्ड के अनुसार, तीन दशकों से अधिक की अवधि के बाद, यह बंपर पकड पोत मत्स्य दर्शिनी पर दर्ज हुई।

(श्री के. सिलंबरसन, व. वैज्ञानिक सहायक, विशाखापट्टणम बेस द्वारा सूचित)

सी. दक्षिण गोवा में एल इल ई डी रोशनी का उपयोग करते हुए मत्स्यन मई 2017 माह में मल्टी फिलमेंट लॉग लाइन पोत एम एफ वी येल्लो फिन को अक्षांश 14°-18° उ क्षेत्र के बीच सर्वेक्षण परिचालन के लिए परिनियोजित किया गया। समुद्री यात्रा के सफल समापन के बाद, पोत ने गोवा बंदरगाह की ओर जाना शुरू कर दिया। गोवा बंदरगाह में वापस लौटते समय, यह देखा गया कि अक्षांश 15° 05.764' उ/देशांतर 073° 39.344' पू (दक्षिण गोवा) में 45-50 मी. गहराई में मछली पकडने वाली नौकाओं में से कुछ प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) का उपयोग कर सक्रिय रूप से मछली पकड रहे थे जो कि दी गई स्थिति से लगभग 3 समुद्री मील पर था। एल ई डी रोशनी (5-8 एल ई डी बल्ब प्रत्येक लगभग 1000 एम एच के साथ) के साथ मछली पकडने में कुल 10 मछली पकडने वाली नौकाएं थी।

छोटी पेलाजिक मछलियों और अधिकांश किशोर मछलियों को इस मत्स्यन तकनीक में पकडा जाता है। हालांकि एल ई डी रोशनी मत्स्यन एक अत्यंत प्रभावी मत्स्यन प्रणाली है, किशोर मछलियों के शोषण की दर भी अधिक है। इसके फलस्वरूप क्षेत्र में पारिस्थितिक असंतुलन होता है (सोलोमन और अहमद, 2016)। यदि एक विशेष क्षेत्र में यही मत्स्यन प्रणाली जारी रहेगी तो यह प्रजाति विलुप्त होने का कारण बन सकती है। इसलिए समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के संरक्षण हेतु गोवा सरकार ने अशांकित होकर एक राजपत्र अधिसूचना जारी कर दी कि मछुआरे पर्स सीन पोतों द्वारा मछली पकडने के लिए एल ई डी रोशनी

का उपयोग कर सकते हैं। पारंपरिक मछुआरों और पर्स सीन ट्रॉलर मालिकों से सुनने के बाद, सरकार ने गोवा, दमन एवं दीव समुद्री मत्स्यन नियमन अधिनियम 1980 के धारा 4 के अंतर्गत एल ई डी रोशनी के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया और आदेश मई 2016 से लागू है। अधिनियम के पैरा 2 में स्पष्ट रूप से निम्नलिखित का उल्लेख किया है :



"यंत्रिकृत मत्स्यन पोत या मोटरीकृत मत्स्यन नाव पर ट्रोलिंग. पर्स सीनिंग या गिलजाल के लिए फिशिंग गियर जैसे एल ई डी रोशनी, आकर्षक फिश लाइट या अन्य प्रकाश उपकरण जनरेटर के साथ या बिना जनरेटर के उपयोग या संस्थापन प्रतिबंधित है।"

(श्री ए सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक, भा मा स., मुख्यालय, मुंबई)

डी. अंडमान एवं निकोबार समुद्र से लाँगफिन मको, *इसुरस पौकस* की प्राप्ति

एम एफ वी ब्लू मार्लिन की मई 2017 की समुद्री यात्रा में अक्षांश 06°उ/देशांतर 93° पू क्षेत्र से 1837 मी. गहराई में *इसुरस पौकस* का एक नमूना को हूक किया गया। नमूना एक अपरिपक्व मादा थी जिसकी कुल लंबाई 184 से. मी. और वजन 40 किलोग्राम था।

लाँग फिन मको, *इसुरस पौकस* (गिटार्ट मंडे, 1966) लेमिनिडे कुटुंब में एक महासागर शार्क प्रजाति है जो विश्व महासागरों (फ्रोइस एवं पॉली 2017) के समशीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय जल में पाई जाती है। प्रजाति की विशेषता,

स्कंध पख सिर की लंबाई या उस से अधिक, किशोर और वयस्कों में अपेक्षाकृत विस्तृत नोक, थूथन सामान्य रूप से संकरा से भोथरा नुकीला, साधारणतः नुकीला नहीं, ऊपरी और निचले अग्रवर्ती दाँत के सिरा सीधा, नोक प्रतिवर्ति नहीं, शरीर का रंग ऊपर गहरा नीला, नीचे सफेद, थूथन के निचले भाग और मुँह के आसपास धुँधला निशान है (फ्रोइस एवं पॉली 2017) भारत में यह प्रजाति अरब सागर से दर्ज की जा रही है। (वर्गीस एवं अन्य, 2015)



उपलब्ध साहित्य की समीक्षा से पता चलता है कि अंडमान और निकोबार समुद्र से अब तक लाँग फिन मको की रिपोर्ट नहीं हुई और इसलिए वर्तमान रिपोर्ट इस क्षेत्र की इस प्रजाति की पहली दस्तावेज रिपोर्ट होगी।

(श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद्, पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा सूचित)

ई. किशोर सैलफिश का रिकार्ड (कर्नाटक तट से दूर)

पोत एम एफ वी येल्लो फिन अक्षांश 14° 30' उ/देशांतर 071° 45' पू के क्षेत्र में 2000 मी गहराई में मई 2017 की लाँगलाइन सर्वेक्षण परिचालन पूरा होने के बाद 23.5.2017 (2315 बजे) को रात में बह रहा था। एक किशोर सैल फिश (*इस्टियोफोरस प्लाटिप्टेरस*) देखा गया था। किशोर मछली की कुल लंबाई 10.7 से. मी. थी और वजन 3 ग्राम (लगभग) था। यह पाया जाता है कि किशोर सैल फिश मछलियाँ रात में पेलाजिक मछलियों के अन्य किशोरों की तरह प्रकाश की ओर आकर्षित किया जाता है। अक्षांश 13° उ -16° उ के भीतर



क्षेत्र में इन किशोर मछलियों की उपस्थिति, आगे प्रकट करता है कि ये क्षेत्र सैल फिश के लिए प्रजनन स्थल हो सकता है। किशोर मछलियों को देखना कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा 61 दिनों अर्थात् 1 जून से 31 जुलाई तक के लिए समुद्र तट पर की गई मत्स्यन प्रतिबंध की अवधि के साथ मेल खाता है।

(श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक, भा मा स, मुख्यालय, मुंबई द्वारा सूचित)

#### एफ. निकोबार समुद्र में शार्क की बंपर पकड

पोत एम एफ वी ब्लू मार्लिन मल्टीफिलमेंट टूना लॉग लाइनिंग गियर को मई 2017 में निकोबार समुद्र में टूना एवं संबंधित संसाधनों के सर्वेक्षण के लिए परिनियोजित किया गया। समुद्री यात्रा के दौरान पोत 20 दिनों के लिए समुद्र से बाहर था। पकड में 104 शार्क और 4 विविध प्रजातियाँ शामिल थी। शार्क की पकड में पेलाजिक श्रेण (अलोपियस पेलाजिकस) प्रमुख थी। कुल मिलाकर 95 नग पेलाजिक श्रेण शार्क नमूनों का वजन 2963 कि. ग्रा है और कुल लंबाई 164-361 से. मी. के आस पास है। दर्ज अन्य शार्क प्रजातियाँ अलोपियस सूपरसिलियोसस (6 नग) आकार 104-302 से. मी. के बीच, वजन 333 कि. ग्रा. गलियोसेरडो कुवियेरी (2 नग), आकार 191-242 से. मी. के आसपास, वजन 120 कि. ग्रा. और इसुरस ऑक्सिरिचस (1 नग); आकार (कुल लंबाई) 140 से. मी. के आस पास और वजन 40 कि. ग्रा है। अक्षांश 7° उ/ देशांतर 94° पू क्षेत्र से उच्चतम हुकिंग दर (3.49%) प्राप्त हुई, उसके बाद अक्षांश 07° उ/देशांतर 93° पू (3.01%) और अक्षांश 8° उ/देशांतर 93° पू से (1.74%) प्राप्त हुई। माह के दौरान कुल हुकिंग दर 2.23% दर्ज की गई।



(श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद्, पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा सूचित)

#### जी. सैलफिश के पेट में टेपवर्म की रिपोर्ट

भा मा स के मारुगोवा बेस के पोत एम एफ वी येल्लो फिन, एक मल्टीफिलमेंट टूना लॉग लाइनर को मई 2017 माह में कर्नाटक एवं गोवा तट से दूर समुद्री मात्स्यकी संसाधनों के समन्वेषी सर्वेक्षण करने हेतु परिनियोजित

किया गया। समुद्री यात्रा के दौरान 6 नग सैल फिश (इस्टियोफोरस प्लेटिप्टेरस) हूक की गई। सभी सैल फिश जैविक अध्ययन के लिए विच्छेदित किए गए। अक्षांश 15° 07.50' उ/देशांतर 0 72° 40.15' पू क्षेत्र में 1447 मी गहराई में पकडी गई एक सैल फिश का पेट से परजीवी टेपवर्म (डिफाइलोबोथियम एस पी पी) पाया गया। कुल 7 नग टेपवर्म दर्ज किए गए। निकाला गया टेपवर्म एक घंटे जीवित अवस्था में था। सैल मछलियों में टेपवर्म का संक्रमण दुर्लभ होता है।



(श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक, भा मा स, मुख्यालय, मुंबई द्वारा सूचित)

#### एच. एक समान मछली पकडने की रोक की अवधि के दौरान दर्ज किशोर मछलियों की पकड

भारत के ऊपरी पूर्वी तट में अक्षांश 16° उ- 21° उ के बीच तलमज्जी मात्स्यकी संसाधनों के सर्वेक्षण के लिए पोत एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी को परिनियोजित किया गया। अप्रैल-जून 2017 के दौरान प्रत्येक हॉल के लिए 90 मिनट की अवधि के लिए 45.6 एम एक्सपो मॉडल- बोट्टम ट्रॉल और 34 मी. श्रिम्प ट्रॉल द्वारा सर्वेक्षण किया गया। पोत 41 मछली पकडने के दिन सहित 56 दिनों के लिए समुद्र में बाहर था और 166.5 घंटे मछली पकडने के प्रयास में लगा।

सर्वेक्षण परिणाम, ट्रॉल पकड में किशोर फिन फिश एवं सेफेलोपोड की प्रचुरता सूचित करता है। इस अवधि के दौरान 11 वंश के 12 प्रजातियों की किशोर मछलियाँ दर्ज हुई। किशोर आबादी में दर्ज प्रमुख परिवार सायनिडे, स्कोम्ब्रिडे, स्ट्रोमेटिडे, प्रियाकेन्थिडे, हेमुलिडे, मुल्लीडे, साइनोडॉन्टिडे, जेरिडे, ट्रिचियूरिडे, प्लोटोसिडे और लोलीजिनिडे थे। यह दर्शाता है कि अधिकांश प्रजातियों की प्रजनन अवधि एक समान रोक की अवधि (अर्थात् 15 अप्रैल-14 जून 2017) के अंतर्गत आती है जो भारत सरकार के दिनांक 10.03.2017 के आदेश सं. 30038 /15/97- मा (टी-1) द्वारा परिकल्पित है।

दर्ज किशोर मछलियों का विवरण निम्नलिखित है:

क्रम सं.	मछली प्रजातियां	अप्रैल' 2017		मई' 2017		जून' 2017	
		लंबाई (से.मी)	वजन (ग्राम)	लंबाई (से. मी.)	वजन (ग्राम)	लंबाई (से. मी.)	वजन (ग्राम)
1	ओटोलिथस रूबर (टाइगर टूथ क्रोकर)	13.5-16.0	20-100	-	-	15.0-19.0	50-100
2	रास्ट्रेलिजर कानागुरटा (भारतीय मैकरेल)	9.0-13.0	50-120	23.0-25.0	100-160	-	-
3	पेरस्ट्रोमेटियस नैजर (ब्लेक पोमफ्रेट)	7.5-12.0	70-350	11.0-16.0	20-100	-	-
4	लोलिगो डुवसेल्ली (भारतीय स्क्वड)	6.0-9.0	10-80	-	-	-	-
5	सौरिडा टुम्बिल (ग्रेटर लिजर्ड फिश)	13.0-16.0	60-170	21.0-28.0	70-300	-	-
6	प्रियाकेन्थस हेमरुर (रेड बुल्स आई)	9.0-11.0	80-110	14.0-30.0	50-300	-	-
7	पोमडसिस अर्जेन्टियस (सिल्वर ग्रेट)	18.0-21.0	120-550	-	-	-	-
8	उपिनियस विट्टाटस (धारीदार गोटा फिश)	7.0-17.0	20-60	15.0-19.0	50-90	12.0-18.0	40-110
9	उपिनियस मोलुसेनसिस	6.5-17.5	20-55	13.0-18.0	20-80	-	-
10	स्याइरेना ओबटुसेटा (ओबटस बाराकुडा)	11.5-27.0	50-80	-	-	-	-
11	जेरिस फिलमेंटोसस (व्हिपफिन सिल्वर बिडिड्स)	11.0-15.0	20-300	-	-	-	-
12	लेप्टूरकैन्थस सावला (हेयर टैल रिब्वन फिश)	10.0-14.0	15-35	-	-	-	-
13	प्लोटोसस लिनियेटस (धारीदार ईल कैट फिश)	-	-	16.0-20.0	30.7	-	-



(श्री जी. वी. ए. प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री के. सिलम्बरसरन, व. वैज्ञानिक सहायक और श्री एस के पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक, विशाखापट्टणम द्वारा सूचित 1)

## 11. बहिर्गमन एवं प्रशिक्षण :

“सुदूर संवेदन के प्रयोग एवं समुद्री जैव विविधता पर प्रदूषण का प्रभाव पर” इन हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम”

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुंबई ने भा मा स के वैज्ञानिकों के लिए “सुदूर संवेदन के प्रयोग एवं समुद्री जैव विविधता पर प्रदूषण का प्रभाव” पर दो दिवसीय इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम 27-28 अप्रैल, 2017 के दौरान भा मा स के सम्मेलन कक्ष, मुख्यालय, मुंबई में आयोजित किया। डॉ. अनिल के. चौबे, प्रभारी वैज्ञानिक, एन आई ओ, क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई मुख्य अतिथि थे और उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया था।



प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, प्रतिष्ठित संस्थानों अर्थात् केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आई), मुंबई, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (एन आई ओ) मुंबई, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (इनकोइस), हैदराबाद, विज्ञान संस्थान, मुंबई से विषय विशेषज्ञ, विसमा कंसलटिंग ए/एस डेन्मार्क एवं मुंबई विश्वविद्यालय से विशेषज्ञों को भा मा स, सर्वेक्षण डेटा के साथ सुदूर संवेदन का प्रयोग, समुद्री जैवविविधता पर प्रदूषण का प्रभाव, शैवाल ब्लूम का मानचित्रण, टूना टैगिंग और स्टॉक निर्धारण प्रणालियों पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किए गए।



डॉ. आर एम व्दिवेदी, परामर्शक, इनकोइस 28.04.2017 को समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि रहे। कुल मिलाकर भा मा स, मुख्यालय, मुंबई एवं भा मा स के सभी बेस कार्यालयों से 18 वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

चेन्नई बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

भा मा स के चेन्नई बेस ने “तमिलनाडु राज्य मात्स्यिकी विभाग के सहयोग से “तमिलनाडु के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों” पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला एवं ओपन हाउस 06.05.2017 को राजीव गांधी जलकृषि केंद्र (आर जी सी ए) ऑडिटोरियम, करैमेडु, सिरकली, नागपट्टिनम जिला में आसपास के



गांवों अर्थात् किलमूबैकरई, सबदीकुप्पम, तिरूमूलाबसन, नैकरकुप्पम, पूमफर और सिरकषी के मछुआरों के हित के लिए आयोजित की। श्री आर. रविचंद्रन, मात्स्यिकी के सहायक निदेशक (समुद्री), मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और डॉ. एस कांदन, परियोजना निदेशक, आर जी सी ए ने समारोह की अध्यक्षता की। श्री जे. ई. प्रभाकर राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने स्वागत भाषण दिया। श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मुख्य भाषण दिया। तकनीकी सत्र के दौरान बेस के वैज्ञानिकों ने “तमिलनाडु के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों, टूना टैगिंग और मत्स्यन नाव पर विशेषकर साषमी ग्रेड टूना के लिए नवीनतम उपग्रह प्रौद्योगिकी के साथ ट्रैकिंग और स्वच्छतापूर्वक मछली को संभालना” पर विविध व्याख्यान दिया। पूर्ण अधिवेशन सत्र के दौरान, श्री नीलपवन और श्रीप्रभु, आसपास के गाँव के मछुआरों ने पोत एम एफ वी मत्स्य दृष्टि पर जनवरी और मार्च 2017 के दौरान टूना लाँग लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया था, ने इस अवसर पर अपने अनुभव साझा किया और प्रशिक्षण देने के लिए भा मा स की सराहना की।

श्री ए. षणमुखन, मात्स्यिकी निरीक्षक, सिरकली ने धन्यवाद प्रस्ताव किया। कार्यशाला से लगभग 115 मछुआरों ने लाभ उठाए।

## पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा परियोजनाओं/कार्यक्रमों पर आयोजित प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम

मात्स्यिकी निदेशालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने भा मा स के क्षेत्रीय बेस पोर्ट ब्लेयर के सहयोग से नीली क्रांति/यू टी योजना/राष्ट्रीय कृषि विज्ञान योजना के अंतर्गत परियोजनाओं/कार्यक्रमों पर एक प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम 12 मई 2017को मछली लैडिंग केंद्र, जंगलीघाट, पोर्ट ब्लेयर में आयोजित किया। प्रशिक्षण के उद्देश्य “नीली क्रांति” “नील क्रांति” के अंतर्गत परियोजनाओं के बारे में सूचना का प्रसार करना और स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ उनके अनुकूलतम उपयोग और मछुआरों को आधुनिक मछली पकड़ने की तकनीकों और समुद्र में सुरक्षा के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर प्रशिक्षण देना था।

## “अक्वा अक्वेरिया” भारत 2017- प्रदर्शनी में भा मा स का मार्मुगोवा बेस की भागीदारी

भा मा स के मार्मुगोवा बेस ने एम्पीडा द्वारा नेहरू मैदान, मैंगलूर, कर्नाटक में 14-16 मई 2017 के दौरान एक प्रदर्शन स्टॉल लगाकर आयोजित तीन दिवसीय व्दिवार्षिक घटना “अक्वा अक्वेरिया” इंडिया 2017 के चौथे संस्करण में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। स्टॉल में समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान, विकास और समुद्री मात्स्यिकी सेक्टर में नीति बनाने के क्षेत्र में संस्थान के अधिदेश, उद्देश्य, अनुसंधान गतिविधियों और संस्थान के महत्व चित्रित किया। डॉ. एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री सोली सोलोमोन, व. वैज्ञानिक सहायक ने आगंतुकों को भा मा स द्वारा की जाने वाली गतिविधियों और सेवाओं को समझाया। भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के प्रमुख संसाधनों पर भा मा स प्रकाशन की माँग उद्यमी, छात्रों और अन्य आम जनताओं में अधिक थी।



## 15 वाँ लोक मेला एवं कृषि मेला 2017 में विशाखपट्टणम की भागीदारी

भा मा स का विशाखपट्टणम बेस ने 15-19 मई 2017 के दौरान मुक्तकश रंगमंच, सारदाबाली, पुरी, ओडिशा में श्रीखेत्र सूचना द्वारा आयोजित 15 वाँ लोक मेला एवं 8 वाँ कृषि मेला-2017 में भाग लिया और एक प्रदर्शनी

स्टॉल लगाया और संस्थान के विविध अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों को प्रदर्शित किया। विश्वविद्यालय, कॉलेज, स्कूल से गणमान्य व्यक्तियों और आम जनता ने दौरा किया और भा मा स की गतिविधियों की सराहना की।



## मुंबई बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला सह प्रदर्शनी

भा मा स के मुंबई बेस ने स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ “दमन एवं दीव से दूर समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और विविधीकृत मत्स्यन प्रणालियों” पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला सह प्रदर्शनी मच्छी महाजन हॉल, नानी दमन, (दमन एवं दीव संघ शासित क्षेत्र) में आयोजित की। मुख्य अतिथि श्री गोपाल के तान्डेल, अध्यक्ष, मत्स्योद्योग वी के एस सोसाइटी लि. नानी दमन ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, भा. मा. स का मुंबई बेस ने समारोह की अध्यक्षता की। श्री ए. एस. कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स का मुंबई बेस ने धन्यवाद प्रस्ताव किया। स्थान में एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी जहाँ मात्स्यिकी चार्ट और अन्य प्रदर्शन प्रदर्शित किए गए। कुल 80 मछुआरे, नाव मालिकों और स्थानीय मात्स्यिकी विभागीय अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।



## चेन्नई बेस द्वारा तमिलनाडु के परंपरागत मछुआरों को टूना लॉग लाइन पर आयोजित विशेष प्रशिक्षण

भा मा स के चेन्नई बेस ने सिफनेट, चेन्नई एवं मात्स्यकी विभाग, तमिलनाडु सरकार के सहयोग से और राष्ट्रीय मात्स्यकी विकास बोर्ड, हैदराबाद



की वित्तीय सहायता के साथ “परंपरागत मछुआरों को टूना लॉग लाइन” पर व्यक्तिगत प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले एवं दूसरे चरण सफलतापूर्वक जनवरी एवं मार्च 2017 के दौरान आयोजित किया गया। तीसरा चरण 12-16 जून 2017 के दौरान संचालित किया गया था जबकि चौथा चरण 17-21 जून 2017 के दौरान संचालित किया गया था। व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम से पहले, प्रशिक्षार्थियों को भा मा स वैज्ञानिकों और सिफनेट अनुदेशकों द्वारा सैद्धांतिक व्याख्यान के साथ पढाया गया। प्रशिक्षण के तीसरे चरण में कुल मिलाकर पाँच मछुआरों ने भाग लिया, जबकि चौथे चरण में दो मछुआरों ने पोत एम एफ वी मत्स्य दृष्टि पर पाँच दिन का व्यावहारिक व्यक्तिगत प्रशिक्षण में भाग लिया।



पाँच दिवसीय प्रशिक्षण अवधि के दौरान, प्रशिक्षार्थियों को विविध पहलुओं अर्थात् मत्स्य परिचालन प्रक्रियाएं जैसे कि बैटिंग, सूटिंग और हॉलिंग, पोत पर टूना के हैंडलिंग और इसके भंडारण, नौचालन उपकरणों, डेक उपकरणों आदि

के परिचालन, पोत पर समुद्री सुरक्षा उपकरणों, और अनुसरण की जाने वाली प्रक्रियाएं, अग्निशमन उपकरण और उसके उपयोग, इंजन रूप उपकरण और सुरक्षा अलार्म आदि, और टूना एवं संबंधित संसाधनों की जैविक विशेषताओं पर प्रशिक्षित किए गए।

## पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला एवं ओपन हाउस

स्थानीय मछुआरों के लाभार्थी 21 जून 2017 को येराटा लॉग व्दीप, उत्तर एवं मध्य अंडमान में “अंडमान एवं निकोबार समुद्र के समुद्री मात्स्यकी संसाधन



और पर्यावरण अनुकूल मत्स्य प्रणालियों” पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला एवं ओपन हाउस का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन श्री महादेव माल, प्रधान द्वारा किया गया और इसकी अध्यक्षता श्रीमती जी. लक्ष्मी, सदस्य शबरी ग्राम पंचायत, उत्तर एवं मध्य अंडमान द्वारा की गई। श्रीमती किरण टिरके, सदस्य, सबरी ग्राम पंचायत ने भी सभा का संबोधन किया। उद्घाटन सत्र से पहले स्थानीय मछुआरों के हित के लिए पोत एम एफ वी ब्लू मार्लिन पर एक ओपन हाउस की व्यवस्था की गई। 17 मछुआरों को टूना लॉग लाइन मत्स्य परिचालन के प्रदर्शन और पर्यावरण अनुकूल मत्स्य प्रणालियों पर व्यक्तिगत प्रशिक्षण देने हेतु पोत एम एफ वी ब्लू मार्लिन पर ले जाया गया।



डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स का पोर्ट ब्लेयर बेस ने प्रमुख भाषण दिया। श्री स्वप्निल एस शिरके, व. वैज्ञानिक सहायक ने उत्तरदायी मात्स्यिकी (सी सी आर एफ) के लिए आचार संहिता पर भाषण दिया, श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् ने पेच एवं संबंधित संसाधनों के दोहन के लिए बोट्टम सेट वर्टिकल लॉग लाइन की उपयुक्तता और पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों पर प्रस्तुति बनाई, श्री नशद एम. व. वैज्ञानिक सहायक ने “अंडमान एवं निकोबार द्वीप के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों” पर व्याख्यान दिया।

श्री सी मुरुगन, मुख्य अभियंता ने “समुद्री इंजन के परिचालन” के संबंध में वर्णित किया और श्री चन्द्रसेन, बोसन ने “समुद्र में सुरक्षा” पर व्याख्यान दिया। क्षेत्र के लगभग 100 मछुआरों ने कार्यक्रम में भाग लिया।



### III. बैठकें:

#### मार्मुगोवा बेस की परामर्शदात्री समूह की बैठक

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मार्मुगोवा बेस की परामर्शदात्री समूह की बैठक 11.05.2017 को डॉ. शमिला मोन्टीरियो, मात्स्यिकी निदेशक गोवा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक के मात्स्यिकी निदेशालय से अधिकारियों, सी एम एफ आर आई, क्षेत्रीय केंद्र कारवार, सी एस आई आर-



एन आय ओ, गोवा से वैज्ञानिकों और एम पी टी, जी एस एल एवं एम एम डी, गोवा से अधिकारियों और भा मा स के मार्मुगोवा बेस के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया।

### IV. आगंतुकों का दौरा

- ❖ तमिलनाडु मात्स्यिकी विश्वविद्यालय, चेन्नई के अंतर्गत मात्स्यिकी कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान से 9 मात्स्यिकी निरीक्षक और 12 उप मात्स्यिकी निरीक्षक सहित कुल 21 प्रशिक्षार्थियों ने 05.04.2017 को चेन्नई बेस का दौरा किया।
- ❖ डॉ. एस. आर. मुथुसामी, मात्स्यिकी परामर्शदाता, तमिलनाडु के औद्योगिक और तकनीकी परामर्शदाता संगठन और उनके सहयोगी ने 13.04.2017 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया।
- ❖ आई टी सी ओ टी परामर्श एवं सेवा लि. से डॉ. एस आर मुथुसामी और पी कमलाकण्णन ने 20 अप्रैल 2017 को चेन्नई बेस का दौरा किया।
- ❖ सिफनेट, चेन्नई के 28 समुद्री फिटर पाठ्यक्रम छात्रों ने श्री एम. हबीबुल्ला, वरिष्ठ अनुदेशक के साथ 21.04.2017 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया।
- ❖ पच्चैयाप्पा कॉलेज, चेन्नई के प्रथम वर्ष एम ए सी प्राणी विज्ञान के 10 छात्रों ने 1 से 5 मई 2017 के दौरान चेन्नई बेस का दौरा किया और समुद्री मात्स्यिकी में ज्ञान प्राप्त करने हेतु इंटरशिप प्रशिक्षण लिया। वे विभागीय सर्वेक्षण पोत *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि* का भी दौरा किए।
- ❖ श्रीमती फातिमा बीबी, अतिरिक्त निदेशक और श्रीमती जे. चन्द्रा, संयुक्त निदेशक, मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार ने 12.06.2017 को अन्य कर्मचारी सदस्यों के साथ विभागीय सर्वेक्षण पोत *मत्स्य दृष्टि* का दौरा किया।
- ❖ जी एन खालसा कॉलेज से सुश्री चिन्मयी बावकर और सुश्री सोनाली सावंत और अनम प्रेम एन जी ओ से श्री अजित एस उडमोन श्री सौरभ नाग्रे ने औषधीय महत्व संसाधन के साथ भारत में समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर सूचना प्राप्त करने हेतु 21.06.2017 को भा मा स, मुख्यालय, मुंबई का दौरा किया।

### V. भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय एवं बेस कार्यालयों द्वारा स्वच्छता पखवाडा का आयोजन

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुंबई एवं सभी बेस कार्यालयों ने 16-31 मई 2017 के दौरान स्वच्छता पखवाडा का आयोजन किया।

- भा मा स मुख्यालय में अधिकारियों ने मुंबई के मछुआरों और पणधारियों के साथ कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- इस कार्यक्रम के दौरान मत्स्यन बंदरगाह और मछली बाजार की स्वच्छता और स्वच्छता की स्थिति समझाते हुए बैनर, पोस्टर और पुस्तिकाएं तैयार

की गई और मछुआरा समुदाय के बीच मछलियों को स्वच्छता से संभालने के बारे में जागरूता पैदा करने के लिए वितरित किए गए ।

- वैज्ञानिकों ने 23.05.2017 को क्षेत्रीय भाषा “मराठी” में मछली को स्वच्छ रूप से संभालने और उससे संबंधित विषय पर ससून डॉक मत्स्यन बंदरगाह, मुंबई में व्याख्यान दिया ।



- भारतीय मात्स्यकी सर्वेक्षण का मुंबई बेस ने विविध सफाई गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया ।
- मछलियों को स्वच्छता से संभालने पर पोस्ट हारवेस्ट प्रैक्टिस पर एक जागरूकता रैली और व्याख्यान न्यू फेरी वार्फ, न्यू फिशिंग जेट्टी, भाऊचा धक्का फिश लैंडिंग सेंटर, ससून डॉक और कुलाबा मछली बाजार में आयोजित किया गया ।
- समापन दिवस पर मुंबई बेस द्वारा कुलाबा मछली बाजार से ससून डॉक न्यू फिशिंग जेट्टी तक जागरूकता रैली संचालित की गई जो कि दूरदर्शन के सह्याद्री चैनल पर 29.05.2017 और 02.06.2017 को क्षेत्रीय भाषा मराठी में कृषि वार्ता में प्रसारित किया गया ।

- भारतीय मात्स्यकी सर्वेक्षण के मार्मुगोवा बेस कार्यालय भवन और इसके परिसर की सफाई, घास, पौधों और जंगली जलमग्न क्षेत्रों को निकालने में सक्रिय रूप से शामिल थे ।
- बेस कार्यालय ने वास्को मुनिसिपल कॉउन्सिल की अनुमति के साथ 25.05.2017 को वास्को मछली बाजार और इसके परिसर को साफ करने का प्रयास किया । स्वैच्छिक बाजार प्रथाओं पर त्रिभाषी (हिंदी,



कोकनी और अंग्रेजी) में पुस्तिकाएं मछुआरों के बीच स्वच्छतापूर्वक मछली संभालने के लिए जागरूकता पैदा करने हेतु वितरित किए गए ।

- समुद्र तट और मछली लैंडिंग केंद्र की सफाई अभियान 27.05.2017 को बैना, दक्षिण गोवा में किया गया ।
- कोच्चिन बेस कार्यालय ने परिसर की सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया ।
- कर्मचारी सदस्यों ने 29.05.2017 को तोप्पुमपडी मत्स्यन बंदरगाह, कोच्चिन को साफ करने का प्रयास किया ।



- भा मा स का चेन्नई बेस ने सफाई अभियान में भाग लेने हेतु उत्साह के साथ स्वैच्छिक रूप से शामिल हुए ।
- कार्यालय परिसर के साथ बेस से जुड़े पोत अर्थात् एम एफ वी मत्स्य दृष्टि जो मत्स्यन बंदरगाह, चेन्नई में लंगर डाले है, की भी सफाई करने का प्रयास किया ।
- कर्मचारियों ने 31.05.2017 को मत्स्यन बंदरगाह को जाने वाले कासिमेट्टु मत्स्यन बंदरगाह और कार्यालय की ओर जाने वाले सड़क साफ किया ।



- विशाखापट्टणम बेस कार्यालय ने परिसर की सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया ।



- पोर्ट ब्लेयर बेस ने क्रमशः 19.05.2017 और 22.05.2017 को मोहनपुरा मछली बाजार और जंगलीघाट के दो मछली बाजार साफ करने का प्रयास किया ।
- सभी कर्मचारी सदस्यों ने 26.05.2017 को गुप्तपारा मछली लैंडिंग केंद्र साफ किया ।
- स्वच्छता पखवाडा के दौरान पर 31.05.2017 को समापन दिवस पर "मात्स्यकी एवं जलकृषि में स्वच्छता" पर एक राज्य स्तर कार्यशाला आयोजित की गई ।



## VI. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

भा मा स, मुख्यालय एवं बेस कार्यालयों द्वारा 21 जून 2017 को "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" का आयोजन किया गया ।

- भा मा स, मुख्यालय, मुंबई में डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व. मात्स्यकी वैज्ञानिक और राजेन्द्र बी. डोकारे, एम. एस. (वरिष्ठ) ने समारोह के दौरान विविध योगासन का प्रदर्शन किया । सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया विविध योगासन का अभ्यास किया।



- भा मा स के मुम्बई बेस में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री अशोक एस कदम, मात्स्यकी वैज्ञानिक द्वारा योगासन प्रदर्शन करके इस स्वास्थ्य अभियान कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया ।



- भा मा स के मारुंगोवा बेस में श्री श्याम रसिक दास, प्रभुजी, इसकोन, जुआरी नगर, गोवा ने मनुष्य के दैनिक जीवन में योग के महत्व पर



आध्यात्मिक भाषण दिया ।

- मारुंगोवा बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समारोह के दौरान सक्रिय रूप से भाग लिया और विविध योगासन का अभ्यास किया ।
- श्री वी पी शर्मा, यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.) ने प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन करने के लिए उपयोगी सलाह दी ।



- कोच्चिन बेस ने कोच्चिन बेस तथा एम ई डी में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए योग कक्षाएं संचालित की ।
- भा मा स के चेन्नई बेस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम के दौरान उत्साह से भाग लिया और विविध योगासन का अभ्यास किया ।
- श्रीमती टी के पद्मा रंगन, प्रिंसिपल, जानकी अम्मा मेमोरियल सिसकिया प्राइमरी स्कूल और योग प्रशिक्षक को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया । उन्होंने योग सिखाया और शारीरिक स्वास्थ्य लाभ पाने के लिए विभिन्न आसनों के बारे में भी जानकारी दी ।



- भा मा स के विशाखपट्टणम बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया और वे इस समारोह के दौरान विविध योगासन किए ।



- भा मा स के पोर्ट ब्लेयर बेस ने “अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस” मनाया ।
- सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने विभिन्न योगासन किया और समारोह में सक्रिय प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिया ।



## VII. राजभाषा कार्यान्वयन:

### राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

- श्री महेश कुमार फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही प्रगति समीक्षा बैठक 25.08.2017 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुंबई में संपन्न हुई ।
- भा मा से के कोच्चिन, चेन्नई एवं विशाखापट्टणम बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक क्रमशः 24.05.2017, 11.06.2017, और 29.06.2017 को संपन्न हुई ।

### नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

- डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. अनुवादक ने 31.05.2017 को पश्चिम रेल्वे, मुख्यालय, चर्चगेट, मुंबई में संपन्न नराकास की बैठक में भाग लिया ।

### हिंदी कार्यशाला

- ◆ भा मा स, मुख्यालय, मुंबई द्वारा कर्मचारियों को हिंदी में काम करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए 15.06.2017 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । श्री नरेश कुमार सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, नवी मुंबई को “हिंदी में अनुवाद” पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया और उन्होंने अनुवाद के लिए सही शब्द चुनने के लिए अमूल्य सुझाव दिया ।
- ◆ भा मा स का मुंबई बेस द्वारा “हिंदी पत्राचार” पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 2 मई 2017 को आयोजित की गई। श्रीमती वत्सला जोगलेकर, क. अनुवादक, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान विभाग, कुलाबा, मुंबई ने दैनंदिन सरकारी कार्य में हिंदी पत्राचार के महत्व पर व्याख्यान दिया । बेस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।



- ◆ भा मा स के मारुंगोवा बेस द्वारा एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 14.06.2017 को आयोजित की गई । डॉ अमरीष सिन्हा, विभाग प्रमुख (रा. भा), न्यू इंडिया एशूरन्स कंपनी लि., मुंबई, मुख्य अतिथि रहे । उन्होंने “डिजिटल भारत और हिंदी” पर व्याख्यान दिया । श्री एस के जयसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने सभा का स्वागत किया और कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का उपयोग दैनिक सरकारी काम में उपयोग करने के लिए बेस कार्यालय से आग्रह किया ।



◆ भा मा स के कोच्चिन बेस द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 28.06.2017 को आयोजित की गई। श्रीमती लीना टी पी., क. अनुवादक, कोच्चिन बेस ने “हिंदी टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन” में कक्षा चलाई।

◆ भा मा स के विशाखापट्टणम बेस द्वारा 20.06.2017 को एक हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर श्री अरूण त्रिवेदी, हिंदी शिक्षण योजना, विशाखापट्टणम विषय विशेषज्ञ रहे। उन्होंने “राजभाषा के रूप में हिंदी और सरकारी कार्यालय में दैनंदिन हिंदी का प्रयोग पर” व्याख्यान दिया। बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया।



◆ भा मा स का पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा 19.06.2017 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता, कार्यशाला के दौरान विषय विशेषज्ञ रहे।



### VIII. बैठक/ सम्मेलनों में महानिदेशक (प्रभारी) की भागीदारी

◆ “महासागरीय पर्यावरण पर मानव गतिविधियों का प्रभाव” और संभावित समाधान पर, समुद्री वातावरण में प्रदूषण के प्रभाव का अध्ययन करने

के लिए तथा प्रदूषण के प्रभाव कम करने हेतु रणनीतियों का सुझाव देने हेतु विशेषज्ञ समूह द्वारा 21.04.2017 को यू एस दूतावास, मुंबई में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

◆ नीली क्रांति: एकीकृत विकास एवं मात्स्यिकी के प्रबंधन के अंतर्गत मात्स्यिकी सेक्टर के लिए आँकड़ा बेस के सुदृढीकरण और भौगोलिक सूचना तंत्र के घटकों की निगरानी हेतु तकनीकी मॉनिटरिंग समिति (टी एम सी) की 13वीं बैठक 19.06.2017 को अनुश्री होटल एवं रिसोर्ट प्रा. लि. उज्जैन, मध्य प्रदेश में संपन्न।

◆ गोवा तट से दूर मत्स्यन पोतों में एल ई डी रोशनी के उपयोग के बारे में चर्चा करने हेतु 21.06.2017 को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, मुंबई में संयुक्त सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा बुलाए गए वीडियो सम्मेलन।

◆ “तट के किनारे हाइपोक्सिया सिग्नेल से उत्पन्न अपवेल्लिंग और तटीय मात्स्यिकी के संबंध में जैव भौगोलिक प्रक्रिया पर इसका प्रभाव एक समय श्रृंखला दृष्टिकोण” पर सहयोगी परियोजना की बैठक 27.06.2017 को एन आई ओ, क्षेत्रीय केन्द्र मुंबई में।

### IX. प्रशिक्षण/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ बैठक/ सम्मेलन में भागीदारी

◆ श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् और श्री शाहनावाज, क. अनुवादक ने 03.04.2017 को केन्द्रीय व्दीप कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर के सम्मेलन कक्ष में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित हिन्दी कार्यशाला में भाग लिया।

◆ श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री जे. ई. प्रभाकर राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और सी बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक ने सहायक निदेशक का कार्यालय के प्रशिक्षण हॉल, कासीमेडु, चेन्नई में 17.04.2017 को आई सी ए आर-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आई) द्वारा आयोजित पणधारियों की बैठक में भाग लिया।

◆ डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और स्वप्निल एस. शिरके, व. वैज्ञानिक सहायक ने पोर्ट ब्लेयर, “दक्षिण अंडमान के तट के किनारे के पर्यावरण में भौतिक रासायनिक घटकों के लिए लाइव बैथिक फोरेमिनिफेरा की प्रतिक्रिया विषय पर 20.04.2017 को समुद्री जीव विज्ञान और महासागर के अध्ययन, पोन्डिचेरी विश्वविद्यालय, ब्रूक शहबाद, पोर्ट ब्लेयर में श्री एम. मुरुगनाथम के पी एच डी की मौखिक परीक्षा में भाग लिया।

- डॉ. विनोद कुमार मुडुमला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स., मुख्यालय, मुंबई ने "महासागरीय पर्यावरण पर मानव गतिविधियों का प्रभाव और संभावित समाधान" पर, समुद्री वातावरण में प्रदूषण के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए तथा प्रदूषण के प्रभाव कम करने हेतु रणनीतियों का सुझाव देने हेतु विशेषज्ञ समूह द्वारा 21.04.2017 को यू एस दूतावास, मुंबई में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया ।
- ◆ श्री एस. के. पटनायक, व. मात्स्यिकी सहायक और श्री उदयकुमार, आशुलिपिक ग्रेड- । ने केन्द्र सरकार कर्मचारी कल्याण समन्वय समिति की 24.4.2017 को आयकर भवन, विशाखापट्टणम में आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- ◆ श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् ने अंडमान समुद्र के आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण शार्क के व्यवस्थित, वितरण और चयनात्मक संसाधन विशेषताओं विषय पर 25.04.2017 को समुद्री जीव विज्ञान और महासागर अध्ययन विभाग, पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय, ब्रूकशहबाद, पोर्ट ब्लेयर में श्री के. गोपाल की पी एच डी की मौखिक परीक्षा में भाग लिया ।
- ◆ भा मा स (मुख्यालय) से डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री चलपति राव, सांख्यिकीविद्, श्री आशीष कुमार, प्रोग्रामर, श्री ए. सिवा, वैज्ञानिक सहायक, सुश्री राजश्री बी. सनदी, व. वैज्ञानिक सहायक, श्री राहुल कुमार, बी. टेलर, व. वैज्ञानिक सहायक और डॉ. किरण एस. माली, व. अनुसंधान छात्र, मुंबई बेस से डॉ. एस. के. विवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री अशोक एस कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री जेकब थॉमस, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. देवानंद ई. उडके, व. वैज्ञानिक सहायक, और श्री अमोद वी तम्हाणे, व. वैज्ञानिक सहायक, सुश्री रोशन मारिया पीटर, व. वैज्ञानिक सहायक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मार्गुगोवा बेस से श्री राजू एस. नागपूरे, व. वैज्ञानिक सहायक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चिन बेस से श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस से श्री जे. ई. प्रभाकर राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के विशाखापट्टणम बेस से श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स के पोर्ट ब्लेयर बेस से श्री स्वप्निल एस शिरके, व. वैज्ञानिक सहायक ने 27-28 अप्रैल 2017 को भा मा स मुख्यालय, मुंबई में सुदूर संवेदन के प्रयोग और समुद्री जैवविविधता पर प्रदूषण का प्रभाव पर इन हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
- ◆ श्री के. गोविंदराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एस. के. पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक और श्री के. सिलंबरसन, व. वैज्ञानिक सहायक के साथ केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रशिक्षण संस्थान (सी आई एफ टी), विशाखापट्टणम के 29.04.2017 को सवर्ण जयंती समारोह में भाग लिया ।
- ◆ डॉ. अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स., मुख्यालय, मुंबई ने 2.05.2017 को विक्रम हॉल, एस ए सी, अहम्मदाबाद में समुद्र परियोजना की प्रयोक्ता बैठक में भाग लिया ।
- ◆ श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने (सिफनेट), विशाखापट्टणम में 4-5 मई 2017 के दौरान नेट मेकर के पद हेतु साक्षात्कार बोर्ड सदस्य के रूप में सेवा की ।
- ◆ डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुंबई ने भा मा स से जुड़े पोत चेन्नई एवं विशाखापट्टणम बेस से जुड़े पोत एम एफ वी समुद्रिका और एम एफ वी शिकारी की शुष्क गोदीकरण मरम्मतों की प्रगति का निरीक्षण हेतु 11-15 मई 2017 के दौरान हिंदुस्तान शिपयार्ड लि. (एच एच एल), विशाखापट्टणम का दौरा किया।
- ◆ डॉ. एम. के. सिन्हा, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्रीमती रामलक्ष्मी, यू डी सी ने सिपेट, चेन्नई में 19.05.2017 को सी पी ए ओ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पी एफ एम एस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
- ◆ श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक, चेन्नई बेस ने 12.06.2017 को राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा गहन समुद्र से संबंधित समुद्री जैव विविधता और समुद्री जीनेमिक्स के क्षेत्र में देश की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और भविष्य पर विशेषज्ञ/ पणधारी बैठक में भाग लिया ।
- ◆ श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् ने 12.06.2017 को भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर में हरी कौशल विकास कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाग लिया ।
- ◆ डॉ. अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुंबई ने गोवा तट से दूर मत्स्यन पोतों में एल ई डी रोशनी का उपयोग की चर्चा करने हेतु 21.06.2017 को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, मुंबई में संयुक्त सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा बुलाए गए वीडियो सम्मेलन में भाग लिया ।
- ◆ श्रीमती लीना टी पी, क. अनुवादक ने 23.06.2017 को पुदुच्चेरी में गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित तकनीकी राजभाषा संगोष्ठी में भाग लिया ।
- ◆ श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस से जुड़े दोनों पोतों की मछली पकड के निपटान के लिए न्यूनतम आरक्षित मूल्य (एम आर पी) को अंतिम रूप देने के लिए समिति के एक सदस्य के रूप में सेवा की ।

- ◆ श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् ने 24.06.2017 को केन्द्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर में कृषि मेला के उद्घाटन समारोह में भाग लिया ।
- ◆ श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यकी वैज्ञानिक और डॉ. ए बी कर, मात्स्यकी वैज्ञानिक ने श्री सुदर्शन भगत, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण के राज्य मंत्री के सरकीट हाउस, विशाखापट्टणम में 25.06.2017 को आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- ◆ डॉ ए. बी. कर, मात्स्यकी वैज्ञानिक ने इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इंडिया (आई सी ए आई), विशाखापट्टणम में टी डी एस रेंज, विशाखापट्टणम द्वारा आयोजित टी डी एस संगोष्ठी जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया ।

## X प्रशासनिक समाचार

### स्थानांतरण

- ◆ श्री मनोज कुमार ओ. टी., सेवा अभियंता (यांत्रिक) को पोर्ट ब्लेयर बेस से भारतीय मात्स्यकी सर्वेक्षण के कोच्चिन बेस में 27.03.2017 को स्थानांतरित किया गया और 13.04.2017 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- ◆ डॉ. प्रदीप एच. डी., मात्स्यकी वैज्ञानिक को पोर्ट ब्लेयर बेस से भारतीय मात्स्यकी सर्वेक्षण के मार्मुगोवा बेस में 31.03.2017 को स्थानांतरित किया गया और 03.04.2017 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- ◆ श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता को कोच्चिन बेस से भारतीय मात्स्यकी सर्वेक्षण के पोर्ट ब्लेयर बेस में 07.04.2017 को स्थानांतरित किया गया और 17.04.2017 को कार्यभार ग्रहण किया ।

- ◆ श्री संतोष बाबु पी. पी. प्रवर श्रेणी लिपिक को भा मा स. मुख्यालय, मुंबई से भारतीय मात्स्यकी सर्वेक्षण के कोच्चिन बेस में 13.04.2017 को स्थानांतरित किया गया और 17.04.2017 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- ◆ श्री टी. आर. जयप्रकाश, प्रवर श्रेणी लिपिक को भारतीय मात्स्यकी सर्वेक्षण का कोच्चिन बेस से भा मा स, मुख्यालय, मुंबई में 02.05.2017 को स्थानांतरित किया गया और 05.05.2017 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- ◆ श्री आर. मुनुसामी, मुख्य अभियंता ग्रेड-11 को भा मा स का पोर्ट ब्लेयर बेस से भारतीय मात्स्यकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस में 07.06.2017 को स्थानांतरित किया गया और 17.06.2017 को कार्यभार ग्रहण किया ।

### सेवा निवृत्तियाँ

- ◆ श्री के. ए. चौडंकर, नेट मेन्डर, भा मा स. का मार्मुगोवा बेस, अपनी अधिवर्षिता पर 30.04.2017 को सेवानिवृत्त हुए ।
- ◆ श्री एन. सी. डे, नेट मेन्डर, भा मा स का पोर्ट ब्लेयर बेस, अपनी अधिवर्षिता पर 30.04.2017 को सेवानिवृत्त हुए ।
- ◆ श्री के. एस. बालकृष्णन, सेवा सहायक, एम इ डी, भा मा स का कोच्चिन बेस, अपनी अधिवर्षिता पर 02.05.2017 को सेवानिवृत्त हुए ।
- ◆ श्री टी. के. पिताम्बरन, इलेक्ट्रॉनिक पर्यवेक्षक, एम इ डी, भा मा स का कोच्चिन बेस, अपनी अधिवर्षिता पर 31.05.2017 को सेवानिवृत्त हुए ।
- ◆ श्री जे. ई. प्रभाकर राज, व. मात्स्यकी वैज्ञानिक, भा मा स का चेन्नई बेस, अपनी अधिवर्षिता पर 31.05.2017 को सेवानिवृत्त हुए ।
- ◆ श्री वी वल्लैय्या, नेट मेन्डर, भा मा स का पोर्ट ब्लेयर बेस, अपनी अधिवर्षिता पर 30.06.2017 को सेवानिवृत्त हुए ।



भारतीय मात्स्यकी सर्वेक्षण, (मुख्यालय)  
और मुंबई क्षेत्रीय बेस का नया कार्यालय भवन 14.07.2016 से कार्यरत

संकलनकर्ता : कुमारी राजश्री बी. सनदी; श्री ए. शिवा और श्री राहुलकुमार बी. टेलर संपादक डा. विनोद कुमार मुडुमाला और डा अंशुमान दास, हिन्दी अनुवाद; श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, हिंदी सचिवीय सहायता; श्री विशाल खरात, प्रकाशक: श्री एम. के. फरेजिया, महानिदेशक (प्रभारी), भारतीय मात्स्यकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेअरी एवं मतस्यपालन विभाग न्यू फिशिंग जेट्टी, ससून डॉक, कुलाबा मुम्बई-400 005,  
दूरभाष 022 - 2215 1865/66 फैक्स: 022 - 22188 221; तार मीना वेबसाईट: <http://fsi.gov.in>; ई-मेल: [dg-fsi-mah@gov.in](mailto:dg-fsi-mah@gov.in)